बृहस्पतिवार
06 जून 2024

पृष्ठ 4

अब गर्मी में भट्टी नहीं बनेगी आपकी...

पृष्ठ 5

बाजीराव सिंघम वाले अवतार में दिखे...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 125
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

अनुभव की पाठशाला में जो पाठ सीखे जाते हैं, वे पुस्तकों और विश्वविद्यालयों में नहीं मिलते।
– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सरकार का शपथ ग्रहण 8 को नहीं 9 जून को होगा

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी आगामी 9 जून को अपने नए मंत्रिमंडल के साथ तीसरी बार देश की सत्ता संभालने जा रहे हैं। अचानक उनके शपथ ग्रहण की तारीख में बदलाव कर दिया गया है पहले वह 8 जून को शपथ लेने वाले थे। उनके मंत्रिमंडल में कौन-कौन से चेहरे होंगे इस पर गंभीर मंथन चल रहा है। इसके अलावा एनडीए जिसे इस चुनाव में 292 सीटें मिली थी अब उसकी संख्या बढ़कर 303 हो चुकी है। जिसके अभी और भी बढ़ने की संभावनाएं जताई जा रही है।

❑निर्दलीय और छोटे दलों के नेताओं के आए अच्छे दिन
❑एनडीए 292 से बढ़कर पहुंची 303 की संख्या तक

वर्तमान लोकसभा चुनाव में भाजपा जो बहुमत के आंकड़े से कोसों दूर रह गई थी, गठबंधन सहयोगियों की मदद से 292 सीटों तक तो पहुंच ही गई जो बहुमत के लिए जरूरी 272 से 20 सीटें अधिक थी लेकिन वह जदयू के नीतीश कुमार और टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू पर पूरा भरोसा नहीं कर पा रही थी तथा उनकी सौदेबाजी से भी डरी हुई थी। क्योंकि उनके हाथ ही सत्ता की चाबी थी। इस समस्या के समाधान का हल अब उसे मिल गया है उसके द्वारा निर्दलीय व अन्य छोटे दलों के जो 17 प्रत्याशी जीते थे उनमें से 11 को एनडीए में शामिल कर लिया गया है और अपनी लोकसभा सदस्य संख्या को 292 से बढ़ाकर 303 तक पहुंचा दिया है जिसमें अगर कोई दल पलटी भी मारे तो मोदी की सरकार को कोई खतरा न रहे। अभी भी इसके प्रयास जारी हैं तथा एनडीए की सदस्य संख्या में अभी और भी इजाफा संभव है।

प्रधानमंत्री अब 8 तारीख को सरकार बनाने का दावा 292 नहीं अपितु 303 सदस्यों के समर्थन पत्र के साथ करेंगे। उधर भाजपा के तीन वरिष्ठ सांसदों जिसमें अमित शाह और राजनाथ सिंह के नाम भी शामिल है मंत्रिमंडल का आकार प्रकार तैयार करने में जुटे हैं। नायडू व नीतीश तथा चिराग व जयंत चौधरी को क्या चाहिए उनके साथ सामंजस्य बिठाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार बनाने का दावा पेश करने से पहले अब मोदी तथा शाह सरकार की मजबूती को परखने में लगे हैं। इसका मतलब साफ है कि सत्ता के लिए खेला शुरू हो चुका है। जेडीयू और टीडीपी को वह सरकार पर हावी नहीं होना देना चाहते हैं। यही कारण है कि अब एनडीए का कुनबा बढ़ाने के भरपूर प्रयास किये जा रहे हैं तथा मोदी की तीसरी बार बनने वाली इस सरकार में निर्दलीयों के भी अच्छे दिन आ गए हैं और सहयोगियों की भी मौज बहार आने वाली हैं।

धामी ने नेता चुने जाने पर मोदी को दी बधाई

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार संसदीय दल का नेता चुने जाने पर उन्हें बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास की ओर अग्रसर रहेगा।

दिल्ली दौरे पर गए सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकारों ने बीते 10 सालों में गरीबों, युवाओं, बेरोजगारों व मजदूरों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाओं के जरिए आम आदमी के जीवन में बड़ा बदलाव लाया गया है। अब वह तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं तो देश में विकास की गति और भी तेजी से आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि भारत का विदेश में सम्मान बढ़ा है। भारत दुनिया की बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि मोदी की सरकार विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री धामी आज नैनीताल से दूसरी बार सांसद चुने गए अजय भट्ट के आवास पर उनसे भेंट करने भी पहुंचे। यहां यह उल्लेखनीय है कि अजय भट्ट पहली बार सांसद चुने जाने के बाद मोदी सरकार में राज्य मंत्री बनाए गए थे और वर्तमान चुनाव में उन्होंने तमाम मुश्किलों के बीच भी न सिर्फ दूसरी बार भी जीत दर्ज की है बल्कि उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी को साढ़े तीन लाख के करीब मतों से परास्त किया है और यह सब सीएम धामी के प्रयासों से ही संभव हो सका है। तराई के किसानों की नाराजगी और सिखों की नाराजगी का धामी ने उनके चुनाव पर असर नहीं पड़ने दिया जिसका नतीजा अब हमारे सामने है।

❑विकास योजनाओं में तेजी आने की बात कही

बिहार का कुख्यात बदमाश नीलेश राय एनकाउंटर में हुआ ढेर

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में बिहार के कुख्यात बदमाश नीलेश राय को ढेर कर दिया गया। बुधवार रात को एसटीएफ के साथ हुई मुठभेड़ में वह मारा गया। बदमाश पर 2.25 लाख का इनाम था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मुजफ्फरनगर के रतनपुरी इलाके में उत्तर प्रदेश और बिहार के विशेष कार्य बल की संयुक्त टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। इसमें बिहार का रहने वाला कुख्यात बदमाश गंभीर रूप से घायल हुआ है। इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। कुख्यात बदमाश नीलेश राय पर हत्या, लूट , डकैती और रंगदारी जैसे दो दर्जन से भी अधिक मामले दर्ज थे। वह बिहार के बेगूसराय का रहने वाला था। बदमाश नीलेश राय पर बिहार सरकार ने 2.25 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। 24 फरवरी 2024 को जब बेगूसराय के थाना गढ़हरा क्षेत्र में पुलिस ने रेड की थी, तब उसने अपने साथियों के साथ मिलकर बिहार पुलिस दल पर अंधाधुंध फायरिंग की थी और फिर वहां से भाग निकला था। बीते दिन हुए एनकाउंटर को लेकर एडीजीपी अमिताभ यश ने बताया कि मुठभेड़ में नीलेश के दो साथी मौके से फरार हो गए।

'हिमाचल प्रदेश दिल्ली के लिए रिलीज करेगा 137 क्यूसेक पानी'

नई दिल्ली। दिल्ली में पानी की कमी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल सरकार को आदेश देकर कहा कि जितना भी आपके पास अतिरिक्त पानी है, वो आप रिलीज कर दीजिए। हालांकि, इस आदेश पर हिमाचल सरकार ने 137 क्यूसेक पानी जारी करने की सहमति दे दी है। साथ ही हरियाणा सरकार को भी कहा कि वजीराबाद बैराज से आप भी पानी को रिलीज करें।

सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल सरकार से कहा कि वह हरियाणा को पूर्व सूचना देकर पानी छोड़े। इसके साथ उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली सरकार को भी पानी की कमी को लेकर फटकार लगाई है। बढ़ती गर्मी के कारण दिल्ली में हाहाकार मचा हुआ है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार

मिश्रा और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की अवकाश पीठ ने हिमाचल प्रदेश को हरियाणा सरकार को पूर्व सूचना देकर कल पानी छोड़ने का निर्देश दिया। सख्ती के साथ एससी ने हरियाणा सरकार से ये भी कहा कि हिमाचल प्रदेश से दिल्ली की ओर जाने वाले पानी को रोक नहीं सकते हैं। जबकि, आपको भी इसी तरह का कार्य करके दिल्ली को सुविधाजनक पानी देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा, हिमाचल प्रदेश ने किसी भी तरह का ऑबजेक्शन नहीं किया, हम 137 क्यूसेक आ रहे पानी को दिल्ली भेजने की अनुमति हथनिकुंड बैराज से देते हैं, जो दिल्ली को वजीराबाद बैराज से पानी पहुंचाएगा।

कोर्ट ने ये भी आदेश किया कि अपर यमुना रिवर बोर्ड से भी कहा कि बहने वाले पानी को मापा जाना चाहिए। इसके आगे ये भी बोला कि दिल्ली में हो रही पानी की किल्लत को तत्काल प्रभाव से दूर करने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार को कल से पानी छोड़ना है। लेकिन, इससे पहले हिमाचल प्रदेश सरकार को बताना भी होगा। इसकी रिपोर्ट यमुना जल बोर्ड सोमवार को दे।

दून वैली मेल

संपादकीय

मजबूत सरकार या मजबूर सरकार

देश में एक बार फिर मोदी सरकार बनने जा रही है। तीसरी बार मोदी के नेतृत्व में बनने वाली यह सरकार पूर्व दोनों उन सरकारों से अलग तरह की सरकार होगी क्योंकि यह सरकार मोदी के नेतृत्व में बन जरूर रही है मगर मोदी की सरकार नहीं होगी यह एनडीए की सरकार होगी। यही कारण है कि अब आपको प्रधानमंत्री यह कहते नहीं दिख रहे हैं कि यह मोदी की सरकार ऐसा करेगी वैसा करेगी? अब भी यह कहने का अभ्यास करते दिख रहे हैं कि एनडीए की सरकार बन रहा है। उन्हें पता चल चुका है कि मोदी की गारंटी का अब दम निकल चुका है जो सरकार बन रही है वह एनडीए के उन सहयोगियों की बैसाखियों के सहारे ही बन और चल सकती है जिन्हें वह बीते समय में पानी पी-पीकर कोसते रहे हैं और उनकी विश्वसनीयता पर भी उन्हें तो क्या किसी को भी भरोसा नहीं हो सकता है। इसलिए यह सरकार कितने दिन अस्तित्व में रह सकेगी इसकी भी कोई गारंटी अब मोदी नहीं दे सकते हैं। चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार के मोदी व एनडीए के साथ कैसे रिश्ते रहे हैं यह भी किसी से छुपा नहीं है। आज वह मोदी के बगल में बैठे और मोदी उनकी तारीफ में जो कसीदेकारी कर रहे हैं तो इस अवसरवादी राजनीति के सच को सभी जान समझ रहे हैं। इस चुनाव में अगर मोदी की 400 पार की गारंटी पूरी हो जाती तो शायद यह तस्वीर देशवासियों को कभी देखने को नहीं मिलती। 2014 में जब भाजपा को 282 सीटें और 2019 में जब भाजपा को 303 सीटें मिली थी अब वह तस्वीर पूरी तरह से बदल चुकी है। अब भाजपा के पास महज 241 सीटें हैं जो बहुमत के आंकड़े से मीलो दूर है और उनकी सरकार का अस्तित्व नायडू और नीतीश की मेहरबानी पर टिका है ऐसे में यह एनडीए सरकार व पीएम मोदी किसी फैसले में मनमानी कर पाएंगे इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। रही बात इंडिया गठबंधन की उसने 3.30 घंटे की बैठक में वैसी सरकार बनाने की कोशिश करने जैसी मोदी की सरकार बनने जा रही है स्पष्ट रूप से किनारा करने का जो फैसला किया है वह एक सटीक फैसला है। जनता ने मोदी व शाह की सरकार के खिलाफ जो फैसला दिया है वह मोदी व भाजपा की नैतिक हार है मगर मोदी नेहरू की बराबरी पर खड़े होने के लिए सरकार बनाने को आतुर है तो उन्हें रोकने के प्रयास नहीं करने चाहिए और यही कांग्रेस व इंडिया के नेताओं का फैसला भी है जो हर दृष्टिकोण से न्याय संगत है। हां अगर भविष्य में ऐसी कोई स्थिति पैदा होती है कि स्वैच्छिक रूप से सरकार से असहमत होकर कुछ दल और नेता इंडिया के साथ आते हैं और एनडीए सरकार बहुमत गवाती है तब इंडिया बिना शर्त साथ आने वालो के साथ सत्ता संभालने के लिए तैयार रहना चाहिए इंडिया अगर बहुमत से कोसों दूर है सशर्त किसी के भी साथ मिलकर सत्ता में आने का प्रयास किया जाता है तो यह उन मतदाताओं के साथ धोखा होगा जिन्होंने इंडिया को 240 और कांग्रेस को 100 के आसपास पहुंचाया है। अभी मोदी ने अपने समर्थन में सभी सांसदों से पत्र पर साइन करा लिए हैं माना जा रहा है सात को वह सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे और 8 जून को फिर सत्ता संभाल लेंगे मगर यह सरकार मजबूत नहीं एक मजबूर सरकार होगी।

क्लीन एण्ड ग्रीन एन्वायरमेंट सोसायटी ने किया वृक्षारोपण

संवाददाता

देहरादून। क्लीन एण्ड ग्रीन एनवायरमेंट सोसायटी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शिव मंदिर, ठाकुरपुर, देहरादून में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर पिलखन, बहेड़ा, बेलपत्र इत्यादि के वृक्ष लगाए गए और साथ ही मंदिर समिति के सदस्यो को लगाए गए वृक्षों में पानी, खाद डालने हेतु निवेदन किया गया।

समिति द्वारा इस वर्ष 2024 के मानसून सत्र में 1500 से अधिक वृक्ष पूरे देहरादून में लगाने का रखा गया है। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राम कपूर, अमरनाथ कुमार, अमित चौधरी, राजेश बाली, जे पी किमोठी, रणदीप अहलूवालिया, प्रदीप रावत, दिवाकर नैथानी, नमित चौधरी तथा मंदिर समिति के प्रधान नितिन, अनिता दीदी, मोहित, गौतम, अमित थापा, जीतेंद्र नागर उपस्थित रहे।

परं मृत्यो अनु परेहि पन्थां यस्ते स्व इतरो देवयानात।
चक्षुष्मते शृण्वते ते ब्रवीमि मा नः प्रजां रीरिषो मोत वीरान्।।
(ऋग्वेद १०-१८-१)

हे मृत्यु ! मैं तुझे कह रहा हूं कि तू इसे देख और सुन। तू हमारे देवयान के मार्ग से दूर चली जा। यह तेरा मार्ग नहीं है तेरा मार्ग भिन्न है। तु हमारे लोगों को चोट मत पहुंचा। हमारी वीर संतानों का तू अंत मत कर। हमें देवयान मार्ग पर चलना चाहिए, भोग विलास का मार्ग बार-बार मृत्यु का मार्ग है, हमें इसे छोड़ देना चाहिए।

अतिक्रमण के नाम पर ध्वस्तीकरण के विरोध में मंत्री के आवास का घेराव

संवाददाता

देहरादून। अतिक्रमण के नाम पर बस्तियों में ध्वस्तीकरण के विरोध में विभिन्न संगठनों ने शहरी विकास मंत्री के आवास का घेराव कर ज्ञापन सौंपा।

आज यहां सीआईटीयू, एटक, इंटक, चेतना आन्दोलन, कांग्रेस, एसएफआई, सीपीआई, आयूपी, बसपा, सर्वोदय मण्डल के कार्यकर्ता व पदाधिकारी यमुना कालोनी में एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने शहरी विकास मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल के आवास का घेराव किया। घेराव के पश्चात उन्होंने शहरी विकास मंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि प्रशासन, नगर निगम व एमडीडीए अतिक्रमण हटाने के नाम पर एक ध्वस्तीकरण अभियान चला रहा है। इस अभियान में कानून के प्रावधानों और संविधान के मूल्यों का घोर उल्लंघन हो रहा है। उन्होंने कहा कि 2016 में ही बस्तियों का नियमितीकरण और पुनर्वास के लिए कानून बना था। 2022 तक हर परिवार को घर मिलेगा यह प्रधानमंत्री का आश्वासन था और 2021 तक सारी बस्तियों का नियमितीकरण या पुनर्वास होगा यह उत्तराखण्ड सरकार का कानूनी वादा था। दोनों पर बेहद कम काम हुआ जिसकी वजय से यह स्थिति आज बनी है तो इस स्थिति के लिए सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि बडा जन आंदोलन होने के बाद 2018 में अध्यादेश लाकर सरकार ने अध्यादेश में लिख दिया कि तीन साल के अन्दर बस्तियों का नियमितीकरण या पुनर्वास होगा। वह कानून 2024 में खत्म होने वाला है लेकिन आज तक किसी भी बस्ती में मालिकाना हक नहीं मिला है। वह कानून खत्म होने के बाद किसी भी बस्ती को उजाडा जा सकता है चाहे वे कभी भी बसी हो। उन्होंने कहा कि बेदखली के लिए कानूनी प्रक्रिया है लेकिन वर्तमान अभियान में कानून को ताक पर रखकर मनमाने तरीके से अनाधिकृत रूप से अधिकारी लोगों को बेदखल कर रहे हैं यह कानूनी अपराध है। उन्होंने मंत्री से मांग की है कि इस गैर कानूनी अभियान पर तुरंत लगाया जाये और सरकार अध्यादेश द्वारा तत्काल कानून बना दे कि बिना पुनर्वास किसी को बेघर नहीं जायेगा। अपने ही वादों के अनुसार सरकार युद्धस्तर पर नियमितीकरण की प्रक्रिया को शुरू कर रहे दें और सभी परिवारों एवं मजदूरों के लिए किफायती घरों की व्यवस्था पर काम करे।

चरस तस्करी में दो गिरफ्तार, भेजा जेल

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशा तस्करी में लिप्त दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से 265 ग्राम चरस व तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना लक्ष्मणझूला पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो सहित आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया।

इस दौरान पुलिस को बैराज बाईपास तिराहे के पास स्कूटी सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया गया तो वह स्कूटी मोड़कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 265 ग्राम चरस बरामद हुई।

पूछताछ में उन्होने अपना नाम राजेश कुमार पुत्र वंशराज, निवासी गली नम्बर-16 मीरानगर, आईडीपीएल ऋषिकेश जनपद देहरादून व हिम्मत सिंह पुत्र स्व. जीत सिंह, निवासी गली नम्बर-45 किशन नगर, आईडीपीएल ऋषिकेश जनपद देहरादून बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

शिक्षक भर्ती में विलम्ब हुआ तो डीएलएड प्रशिक्षित करेंगे आंदोलन

संवाददाता

देहरादून। डीएलएड प्रशिक्षित बेरोजगार संघ के सदस्यों का कहना है कि शिक्षक भर्ती में विलम्ब होने के कारण डीएलएड प्रशिक्षित बेरोजगार आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

आज यहां उत्तराखंड डायट डीएलएड प्रशिक्षित बेरोजगार संघ के सदस्यों का कहना है कि राज्य में गत 2020 से प्राथमिक शिक्षकों की कोई भी भर्ती नही निकली है, जबकि राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में लगभग 4000 सहायक अध्यापकों के पद रिक्त चल रहे हैं। अध्यापकों की गंभीर कमी के चलते राज्य के नौनिहालों का भविष्य भी अंधेरे में लटका हुआ है।

राज्य के विभिन्न जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थाओं से अपना द्विवर्षीय प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके डीएलएड प्रशिक्षित बेरोजगार युवा विगत 6-7 महीनों से लगातार प्राथमिक शिक्षक भर्ती की मांग कर रहे हैं। चुनाव आचार संहिता से पहले भी इन युवाओं ने प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय नानूरखेड़ा में महीने भर तक धरना प्रदर्शन किया, फिर भी भर्ती जारी नही हो सकी। अब प्रशिक्षित युवाओं का कहना है की यदि जल्द ही भर्ती जारी नही होती है तो इन्हे पुनः आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

गौरतलब है की प्राथमिक शिक्षक भर्ती हेतु निर्वाचन आयोग ने भी अनुमति प्रदान कर दी थी एवं 29 मई 2024 को शासनादेश जारी हो गया था। बावजूद इसके विभागीय निष्क्रियता के चलते अभी तक शिक्षक भर्ती का कोई अता पता नहीं है।

उत्तराखंड डायट डीएलएड प्रशिक्षित बेरोजगार संघ के सदस्यों ने चेतावनी दी है की यदि विभाग ज्यादा लेट लतीफी करता है तो उन्हें उग्र आंदोलन का सहारा लेना पड़ सकता है।

दवा कंपनियों से उपहार या आर्थिक लाभ लेने पर पाबंदी

डॉ ईश्वर

भारत सरकार ने दवा कंपनियों द्वारा चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों या उनके परिवारों को व्यक्तिगत लाभ मुहैया कराने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए संहिता जारी की है। इस संहिता- यूनिफॉर्म कोड ऑफ फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेज (यूसीपीएमपी) 2024- के तहत इस नियमन को लागू करने की जिम्मेदारी कंपनियों की होगी। अपने उत्पादों को बेचने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों को उपहार, यात्रा सुविधा, हॉस्पिटैलिटी, नगदी आदि देने की शिकायतों के निपटारे के लिए फार्मा कंपनियों को एक एथिक्स कमिटी बनानी होगी, जिसमें तीन से पांच सदस्य होंगे। इस समिति के प्रमुख बोर्ड के सीइओ होंगे। इस कमिटी की जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध करानी होगी। कोड में स्पष्ट कहा गया है कि नियमन के पालन के लिए कंपनी के सीइओ जिम्मेदार होंगे। उन्हें हर वित्त वर्ष की समाप्ति के दो माह के भीतर यह घोषणा देनी होगी कि उनकी कंपनी नियमों का पालन कर रही है और उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों को किसी भी तरह का व्यक्तिगत लाभ नहीं दिया जा रहा है। कोड में ऐसे किसी व्यक्ति को मुफ्त सैंपल दवा देने की भी मनाही है, जो ऐसे किसी उत्पाद को मरीजों को देने के लिए योग्य नहीं है। जो सैंपल दवा डॉक्टरों को दिये जाते हैं, उनका मूल्य कंपनी के कुल घरेलू बिक्री के दो प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। पिछली बार फार्मास्यूटिकल डिपार्टमेंट ने ऐसा नियमन 2014 में लाया था।

ऐसा नियमन इसलिए करना पड़ा है क्योंकि ऐसे कई मामले सामने आते हैं, जिनमें बड़ी बड़ी कंपनियां डॉक्टरों को विदेश यात्रा पर ले जाती हैं। ऐसा भी होता है कि कंपनियां स्वास्थ्यकर्मियों के निजी उत्सवों, मसलन जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ आदि, का खर्च उठाती हैं। महंगे उपहार भी दिये जाते हैं। इसके बदले में वे कंपनियां अपना कारोबार बढ़ाना चाहती हैं। यह एक तरह का लेन-देन है कि हम आप पर खर्च कर रहे हैं और आप हमारे उत्पाद की बिक्री बढ़ाने में मदद करें। कोई भी कंपनी अपने उत्पाद के प्रचार-प्रसार के लिए तरह-तरह के कार्यक्रम और उपाय करती है। वैसा ही माहौल मेडिकल पेशे में भी आ गया। इस पेशे में अपनी जानकारी को समय-समय पर बढ़ाना तथा दूसरे चिकित्सकों के अनुभवों से सीख लेना जरूरी होता है। इसके लिए सम्मेलन, वर्कशॉप और सेमिनार होते हैं। इसका मतलब यह होता है कि ऐसे आयोजनों से अपनी जानकारी बढ़ाकर हम अपने मरीजों को बेहतर उपचार मुहैया करायें। हर डॉक्टर को मेडिकल काउंसिल में अपने पंजीकरण का हर पांच साल में नवीनीकरण कराना होता है और उसके लिए 30 क्रेडिट प्वाइंट का विवरण जमा करना होता है। इसके लिए कम से कम 120 घंटे के शिक्षा कार्यक्रम में भाग लेना होता है। किसी भी अन्य पेशे में ऐसा करने की जरूरत नहीं पड़ती।

अगर यह बाध्यता चिकित्सकों के लिए सरकार की तरफ से निर्धारित है, तो ऐसे कार्यक्रम भी सरकार, मेडिकल काउंसिल और विश्वविद्यालयों की ओर से आयोजित किये जाने चाहिए। लेकिन ऐसा होता नहीं है। ऐसी स्थिति में चिकित्सक एसोसिएशनों को अपने स्तर पर इस तरह के कार्यक्रम करने पड़ते हैं और जहां खर्च करने की बात आती है, तो दवा कंपनियां खर्च करती हैं क्योंकि उन्हें ऐसे कार्यक्रमों से लाभ होता है। लेकिन इस संबंध में नियम यह स्थापित किया गया है कि प्रायोजक कंपनियों के उत्पादों को मुख्य सम्मेलन कक्ष में प्रदर्शित नहीं किया जाता है और न ही उसके उत्पादों के नाम के साथ आयोजन का प्रचार होता है। अब होता यह है कि गलत करने वाले लोगों के कारण सही करने वालों पर भी आंच आती है। ऐसे में इस तरह के कार्यक्रमों को नहीं रोका जाना चाहिए या फिर सरकार को उसके लिए वैकल्पिक इंतजाम करना चाहिए। ऐसा नहीं होने से कंपनियों और डॉक्टरों का एक गलत गठजोड़ बनेगा। चिकित्सा के क्षेत्र में जो भी गड़बड़ियां हैं, उन्हें दूर करने के लगातार प्रयास होने चाहिए। इस संदर्भ में भारत सरकार का नया नियम एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। इस क्षेत्र में कुछ लोग खराब हो सकते हैं, पर हमें ऐसी मानसिकता नहीं रखनी चाहिए कि महामारी या आपात स्थिति में तो डॉक्टर भगवान है, पर बाकी समय वह शैतान है। अगर हम कंपनियों और डॉक्टरों की वित्तीय मिलीभगत को प्रभावी ढंग से रोकना चाहते हैं, तो हमें भारी-भरकम फीस लेकर दी जाने वाली मेडिकल शिक्षा को भी नियंत्रित करना चाहिए। हाल में निजी मेडिकल कॉलेजों में अधिक फीस को लेकर कुछ कदम उठाये गये हैं, पर अभी उनका असर देखा जाना बाकी है। महंगी शिक्षा इस पेशे में आ रही गड़बड़ियों का मुख्य कारण है। नये नियमों में यह प्रावधान किया गया है कि अगर कंपनी का कोई व्यक्ति डॉक्टरों को निजी लाभ देकर अपने उत्पादों की बिक्री बढ़ाने का प्रयास करेगा, तो उस पर समुचित कार्रवाई कर उसकी जानकारी सार्वजनिक करनी होगी। अब यह देखना है कि कंपनियां कितनी गंभीरता से इसका पालन करती हैं। डॉक्टरों को भी यह समझना चाहिए कि लालच में किसी दवा या अन्य उत्पाद की बिक्री बढ़ाने में सहयोगी बनना पेशे और मरीजों के साथ अन्याय है। कुछ डॉक्टरों की वजह से पूरे पेशे पर दाग लगता है। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

साइबर हमले को लेकर सजग हों हम

मधुरेंद्र सिन्हा

इंटरनेट ने दुनिया को एक गांव में तब्दील कर दिया था, पर डिजिटलीकरण ने उस दुनिया को और बदल दिया है। दूरियां खत्म कर दी है। कहीं से भी, कभी भी संवाद स्थापित करना पलक झपकते संभव है। परंतु इसी सरलता ने देशी-विदेशी अपराधियों को मौका दे दिया है और वे सक्रिय हो गये हैं।

आज ऐसे लोग मौजूद हैं जो इसका लाभ उठाकर आम आदमी और हमारे देश को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। साइबर हमलों के माध्यम से ऐसे प्रयास बढ़ रहे हैं, जिनमें से कुछ स्थानीय आपराधिक तत्वों के अलावा सीमाओं के पार से प्रायोजित अपराधी भी शामिल हैं।

इन हमलों का उद्देश्य भारत के दूरसंचार, बैंकों, बिजली, अस्पतालों से लेकर सरकारी और निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों तक के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को ध्वस्त करना और लूट, फिरौती एवं अराजकता के माध्यम से अविश्वास पैदा करना है। इन दिनों साइबर हमलावरों ने दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई नगरों में ईमेल भेजकर स्कूल, स्टेशन, हवाई अड्डों को बम से उड़ाने की धमकी देनी शुरू की है। सुरक्षा एजेंसियों ने पता लगा लिया है कि यह शांति भंग करने की एक साजिश है और एक गिरोह ईमेल भेजकर सभी को डरा रहा है।

सुरक्षा एजेंसियों ने इस अपराध को रोकने के लिए कई उपाय किये हैं, उम्मीद है कि अपराधियों का जल्द ही पता लग जायेगा। जी-20 के दौरान तो भारतीय प्रतिष्ठानों और जी-20 आयोजनकर्ताओं के दफ्तरों पर हजारों नहीं लाखों हमले हुए। परंतु हमारी एजेंसियों ने अपना कौशल दिखाते हुए उन्हें नाकाम कर दिया।

जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान हर 60 सेकेंड में 16 लाख साइबर अटैक हुए थे। केंद्रीय एजेंसियों ने अपनी त्वरित कार्रवाई से साइबर अपराधियों को उनके मंसूबों में सफल नहीं होने दिया। केवल देश ही नहीं, आम जन पर भी लगातार ऐसे हमले हो रहे हैं। साइबर अपराधी आम जनता को कॉल करके उनसे ठगी कर रहे हैं। देश में रोजाना साइबर अपराध के चलते 50000 कॉल मिल रही हैं। एक लाख लोगों पर 129 शिकायतें दर्ज हो रही हैं। हजारों साइबर अपराधी पकड़े जा रहे हैं और उन पर कार्रवाइयां हो रही हैं।

इन अपराधों को रोकने तथा लोगों में विश्वास पैदा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह की टीम द्वारा शुरू की गयी 'साइबर सेफ इंडिया पहल' गृह मंत्रालय की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। केंद्रीय गृह मंत्रालय में साइबर क्राइम से निपटने के लिए स्थापित किये गये 'भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र' (आईफोरसी) ने अब तक उल्लेखनीय कार्य किया है।

विदेशों से हमले करने वाले साइबर अपराधियों के पास आधुनिकतम डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर है। वे कहीं से भी हमला करते हैं और हमारे देश के महत्वपूर्ण संस्थानों की वेबसाइटों तथा संचार व्यवस्था को ध्वस्त करने की कोशिश करते हैं या वहां से सूचनाएं चुराने का प्रयास करते हैं। हमारे कई बड़े संस्थानों पर ऐसे हमले हो चुके हैं, पर अधिकतर निष्फल ही हुए है। इस तरह के हमले चीन, पाकिस्तान से तो होते ही हैं, तुर्की और यहां तक की अमेरिका-कनाडा से भी होते हैं।

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आइफोरसी) ने देशभर में 1200 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है और लगभग पांच लाख शिकायतों का निपटारा किया है।

यह केंद्र विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों और हितधारकों के बीच समन्वय स्थापित करने के अतिरिक्त, साइबर अपराध से निपटने के लिए देश के भीतर क्षमता निर्माण करने का भी प्रयास कर रहा है। इसने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के लॉन्चिंग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी, जिसका उपयोग पहले से ही राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 31 लाख से अधिक साइबर अपराध शिकायतों, 66,000 एफआईआर के साथ 14 करोड़ बार किया जा चुका है। क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स (सीसीटीएनएस) के माध्यम से 12। 30 करोड़ से अधिक मामलों का निपटान किया जा चुका है। राष्ट्रीय साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला (एनसीएफएल) साइबर घटनाओं से संबंधित जांच में सहायता करती है। चूंकि ऐसे अपराध राज्य की सीमाओं से परे होते हैं, इसलिए आइफोरसी ने बेहतर अंतर-राज्य समन्वय के लिए संयुक्त साइबर अपराध समन्वय दल जेसीसीटीएस की स्थापना की है। आइफोरसी के अंतर्गत राष्ट्रीय साइबर अपराध पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन इकाई साइबर स्वच्छता में जागरूकता के लिए 'संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण' अपनाती है। 'साइबर दोस्त' नामक एक सोशल मीडिया हैंडल भी संचालित किया जा रहा है, जो विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सुरक्षा से जुड़े टिप्स मुहैया कराता है। गृह मंत्रालय द्वारा 'साइबर जागृति दिवस' नामक एक पहल भी आरंभ हुई है, जिसे राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों और स्कूलों, कॉलेजों द्वारा हर महीने के पहले बुधवार को सुबह 11 बजे शुरू किया जाता है। गृह मंत्री ने गुरुग्राम में 'एनएफटी, एआइ और मेटावर्स के युग में अपराध और सुरक्षा' विषय पर जी-20 सम्मेलन के दौरान भारत के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों से साइबर स्वयंसेवक दस्ते को हरी झंडी दिखाई थी। डिजिटल रूप से सुरक्षित भारत की जरूरत बन चुका आईफोरसी पहल विकसित भारत के आह्वान को एक मजबूती प्रदान करता है। भविष्य में बड़े पैमाने पर डिजिटल दुनिया में होने वाले अपराधों को रोकने, कम करने और उन पर निगरानी रखने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय की देखरेख में एक राष्ट्रव्यापी साइबर अपराध रोकथाम तंत्र कार्यरत है।

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। परंतु इसके मार्ग में साइबर अपराधी खड़े हैं। कई देश नहीं चाहते कि भारत इतनी तरक्की करे और इसके लिए वे साइबर हमलों का सहारा लेते हैं ताकि उनकी पहचान छुपी रहे, परंतु हमारी एजेंसियां भी इतनी चुस्त-दुरस्त हैं कि वे पकड़ ही लेती हैं कि हमला कहां से हो रहा है या इसके पीछे कौन-कौन से तत्व हैं। हमलावर भी चुप नहीं बैठते और उनके विरुद्ध हमारी ओर से भी जवाबी हमले किये जाते हैं ताकि उनकी कमर टूटे। गृह मंत्री अमित शाह द्वारा शुरू किये गये तीन नये आपराधिक कानूनों का उद्देश्य साइबर अपराधियों द्वारा कानून के चंगुल से बचने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली कानूनी खामियों को दूर करना भी है। बावजूद इसके, अभी बहुत कुछ किये जाने की जरूरत है, परंतु इस क्षेत्र में सक्रिय रहने और 'डिजिटल रूप से सुरक्षित भारत' सुनिश्चित करने के प्रयासों की दिशा में सरकार बहुत अच्छा काम कर रही है। सजग रहना ही समस्या का समाधान है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

बोटोक्स ज्यादा बेहतर या डर्मल फिलर्स!

हर कोई चेहरे को खूबसूरत बनाना चाहता है। इसके लिए लोग कई प्रयास भी करते हैं, लेकिन फिर भी उन्हें असर नहीं होता है। अगर आप भी सॉफ्ट और बेदाग त्वचा पाना चाहते हैं तो यह खबर आपके लिए है। पिछले कुछ सालों से बोटॉक्स और डर्मल फिलर्स दोनों का चलन काफी बढ़ गया है। कई लड़कियां जमा दिखाने के लिए इन ब्यूटी ट्रीटमेंट का इस्तेमाल करती है। बोटॉक्स और डर्मल फिलर्स दोनों ही त्वचा की सेहत को दमदार बनाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हैं। लेकिन इसमें कुछ अंतर है।

बोटॉक्स और डर्मल फिलर्स का उपयोग

बोटॉक्स एक न्यूरोटॉक्सिन है, जो फेस की मांसपेशियों की गतिविधि को कम करता है। इससे झुर्रियां कम दिखाई देती हैं। वहीं डर्मल फिलर्स ये इंजेक्टेबल पदार्थ होते हैं, जो त्वचा में खोए हुए आयतन को भरकर, झुर्रियों और रेखाओं को कम करता है। बोटॉक्स का उपयोग माथे की रेखा, नाक के चारों ओर बनी रेखा, डिंपल थोड़ी और गर्दन के बैंड पर किया जाता है। वहीं डर्मल फिलर्स का उपयोग होठों और गालों को बढ़ाने, नाक को नया आकार देने और घावों में सुधार करने के लिए किया जाता है।

बोटॉक्स और डर्मल फिलर्स बजट

बात करें इसके बजट की, तो बोटॉक्स, डर्मल फिलर्स की तुलना में प्रति यूनिट थोड़ा काम खर्चीला होता है, लेकिन डर्मल फिलर्स उपचार और उपयोग के लिए बोटॉक्स से थोड़ा ज्यादा महंगा होता है। बोटॉक्स 3 से 6 महीने तक रहता है, तो डर्मल फिलर्स 6 महीने से 2 साल तक रह सकते हैं। वैसे तो बोटॉक्स सुरक्षित माना जाता है लेकिन कुछ लोगों को इससे साइड इफेक्ट हो सकते हैं। जैसे सूजन, सिर दर्द, पिंपल्स, लालिमा आदि।

वही डर्मल फिलर्स भी समान सुरक्षित होते हैं, लेकिन कुछ लोगों की त्वचा पर यह सूट नहीं हो पता है, जिससे उन्हें एलर्जी हो सकती है। अगर आप झुर्रियों को कम करना चाहते हैं, तो आपके लिए बोटॉक्स बेस्ट ऑप्शन रहेगा। लेकिन आप खोई हुई मात्रा को भरना चाहते हैं, या गहरी करना चाहते हैं, तो आपके लिए डर्मल फिलर्स सही रहेगा। ध्यान रहे कुछ लोगों को इससे एलर्जी हो सकती है अगर ऐसा होता है तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

सुरक्षित भविष्य की कल्पना

डॉ. हंसा मीना

पश्चिमी राजस्थान में घटित जमीन में धंसाव की हालिया दो घटनाओं ने समूचे देश का ध्यान आकर्षित किया है। सोलह अप्रैल को राजस्थान के बीकानेर जिले की लूणकरणसर तहसील के सहजरासर गांव में एक खेत का लगभग डेढ़ बीघा हिस्सा जमीन में अचानक धंस गया। इस घटना के कारणों के विषय में कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं, जैसे भूगर्भीय प्लेटों में हलचल का होना एवं इस क्षेत्र में व्याप्त विशाल जल राशि के दोहन से उत्पन्न हुए वैक्यूम का लगातार कम होना। किंतु भारतीय भू सर्वेक्षण विभाग के वैज्ञानिक जिस संभावित कारण को सर्वाधिक मान रहे हैं वह है-थार के मरु स्थल के नीचे प्रवाहित सरस्वती नदी के जल के सूखने से उत्पन्न हुए वैक्यूम का लगातार कम होना।

इसी तरह की घटना सात मई को बाड़मेर के नागाणा क्षेत्र में घटित हुई है। यहां तेल के कई कुएंहैं, जिनसे क्रूड ऑयल का उत्पादन हो रहा है। इस क्षेत्र में मंगला टर्मिनल के वेल पेड 3 से 7 के बीच में करीब डेढ़ से दो किलोमीटर लंबी जमीन में दरार आई है। यहां भी जमीन से भारी मात्रा में तेल के दोहन से उत्पन्न हुए रिक्त स्थान के कारण इस घटना का होना माना जा रहा है। वर्ष 2000 के बाद इस तरह की घटनाएं बढ़ी हैं। पूर्व में कोलायत में ऐसे ही जमीन का धंसाव हुआ है। इस तरह की घटनाएं भविष्य में किसी बड़ी भूगर्भीय हलचल के होने की ओर इशारा कर रही हैं, जो चिंता का विषय है। ऐतिहासिक तथ्य है कि सरस्वती नदी राजस्थान में थार के मरु स्थल से होकर बहती थी जो कालांतर में लुप्त हो गई।

इसके पश्चात जीआईएस डाटाबेस के आधार पर इसको पुनर्जीवित करने के अभियान की शुरुआत 'प्रोजेक्ट सरस्वती' के तहत हुई। सैटेलाइट इमेज दिखाती है कि सरस्वती नदी की घाटी हरियाणा में कुरुक्षेत्र, कैथल, फतेहाबाद और सिरसा में समाहित है, जबकि राजस्थान में यह नदी श्री गंगानगर, हनुमानगढ़ और थार के मरु स्थल से होते हुए खम्बात की खाड़ी तक जाती है। बीकानेर और बाड़मेर में हुई घटनाएं सरस्वती नदी घाटी की दिशा में ही घटित हुई हैं। साल 1998 में मिशन सरस्वती योजना के तहत इस क्षेत्र में कई बोरवेल खोदे गए थे जिनसे स्वत-ही पानी निकलता है। भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर ने इनसे निकलने वाले पानी को तीन हजार से चार हजार साल पुराना होने का दावा किया है। इस क्षेत्र में जमीन के नीचे मीठे पानी की लगभग 40-50 मीटर मोटी परत है।

जमीन के नीचे बहती नदी जब सूखने लगती है तो जहां-जहां पानी गहरा होता है उन स्थानों पर तालाबनुमा और झीलनुमा जलीय स्रेत रह जाते हैं। इस क्षेत्र के आस पास सौ से दो सौ किलोमीटर की परिधि के क्षेत्र में किसानों द्वारा पानी दोहन हो रहा है, जिससे पाताल में लगातार वैक्यूम बन रहा है। जिन स्थानों पर यह स्थिति बन रही है उन रिक्त स्थानों पर जमीन बैठने लगती है। बीकानेर में जमीन धंसने से हुआ लगभग 82 फुट गहरा गड्ढा इसी के परिणामस्वरूप बनता प्रतीत हो रहा है जो लगातार गहरा होता जा रहा है। बाड़मेर में जिस स्थान पर जमीन में दरार आई है वहां ऑयल एंड गैस प्लांट है। इस घटना के कारणों के संबंध में विशेषज्ञों द्वारा प्रथम दृष्ट्या यह आशंका जताई जा रही है कि तेल निकालने के लिए होने वाली ड्रिलिंग के चलते लगभग दो किलोमीटर जमीन में दरार आई है, जबकि कयास यह भी लगाए जा रहे हैं कि यहां कई तेल के कुएं हैं, जिनसे दशकों से क्रूड ऑयल का दोहन हो रहा है, इससे आस पास के क्षेत्र में लगातार वैक्यूम बन रहा है। इस कारण से भी दरार का बनना माना जा रहा है। अत- यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी की भूमि धंसाव एक मानव प्रेरित घटना है। विभर में भूमि धंसाव के सभी मामलों में लगभग 70 प्रतिशत मानवीय गतिविधियों के कारण होते हैं, जिसमें भूजल निष्कर्षण 60 प्रतिशत है।

उपरोक्त घटनाओं ने भविष्य के लिए अत्यंत चिंताजनक स्थिति उत्पन्न कर दी अत-इन स्थितियों से निपटने के लिए हमें अनुकूल समाधान निकालने होंगे जो इस प्रकार हो सकते हैं-भूजल निष्कर्षण कम करना, जल संरक्षण को बढ़ावा देना और भूजल पुनर्भरण को लागू करना इत्यादि। भूजल पुनर्भरण में कृत्रिम पुनर्भरण जैसी विभिन्न तकनीकों के माध्यम से भूजल संसाधनों को फिर से भरना शामिल है। इस प्रक्रिया का उपयोग जलभृतों में पानी की मात्रा बढ़ाने, भूजल की गुणवत्ता में सुधार करने और अत्यधिक भूजल दोहन के कारण होने वाली भूमि धंसाव को रोकने के लिए किया जाता है।

यह न केवल भूमि धंसाव को रोकती है, बल्कि सिंचाई और घरेलू उपयोग के लिए पानी का एक वैकल्पिक स्रेत भी प्रदान कर सकती हैं और साथ ही भूजल की गुणवत्ता में भी सुधार कर सकती हैं। पर्याप्त संख्या में वृक्षारोपण करके भी इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। हमें अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ-साथ, आने वाली पीढियों की आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए जल संसाधनों का उपयोग करना होगा। 'सतत विकास' की अवधारणा को अपने जीवन में अपनाने के साथ ही 'जल ही जीवन है' इसे संस्कार के रूप में आत्मसात करना होगा तब जाकर हम एक सुरक्षित भविष्य की कल्पना कर सकते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

अब गर्मी में भट्टी नहीं बनेगी आपकी किचन!

घर किसी का भी हो, उसका दिल किचन को ही माना जाता है। यही वह जगह होती है, जहां बनाए खाने से घर के बाकी सदस्यों के साथ बॉन्डिंग मजबूत करने का मौका मिलता है। हालांकि, घर का यह हिस्सा हमेशा बेहद गर्म और पसीने से भरपूर होता है। यह दिक्कत गर्मियों में तो अपने उफान पर होती है। यहां गर्मी के साथ पसीने की बदबू और चिकनाई का कॉम्बिनेशन बनता है, जिससे हालात और ज्यादा बिगड़ जाते हैं। आइए आपको बताते हैं कि बेहद गर्मी में आपकी किचन कूल और फ्रेश रहेगी। आइए आपको इसके टिप्स बताते हैं।

खाना बनाने के वक्त में बदलाव

अगर आप दिन में दो या तीन बार खाना बनाती हैं तो आपको इसका वक्त बदलने की जरूरत है। कोशिश कीजिए कि आप सुबह-सुबह ही खाना बना लें। इससे गर्मी बढने से पहले ही आप किचन से बाहर आ जाएंगी और दिक्कत भी नहीं होगी।

जल्दी तैयार होने वाली डिश बनाएं

गर्मी से बचना है तो आपको थोड़ी रिसर्च भी करनी पड़ेगी। आप ऐसी डिशेज की रेसिपी सेलेक्ट कीजिए, जिन्हें बनाने में ज्यादा वक्त न लगे। इनमें ऐसी रेसिपी शामिल होनी चाहिए, जो ज्यादा कॉम्प्लीकेटेड न हो और वे ज्यादा से ज्यादा एक घंटे में बनकर तैयार हो जाएं।

कम समय में पकने वाली डिश बनाएं

आप ऐसी डिश भी बना सकती हैं, जो पकने में कम वक्त लेती हो। इससे किचन में गैस स्टोव ज्यादा देर तक नहीं चलेगा और किचन गर्म नहीं होगा। आप अपने डाइट प्लान में फ्रूट्स, सलाद के अलावा हल्के और उबले अनाज भी शामिल कर सकते हैं, जिन्हें पचाना भी आसान होता है।

खाना बनाने से पहले करें यह तैयारी

जब भी आप किचन में खाना बनाने जा रही हैं, उस वक्त डिश से संबंधित सामान की तैयारी पहले से ही कर लें। यह सारा काम आप बिना किचन में आए भी निपटा सकती हैं, जिनमें सब्जी काटना आदि शामिल है। इससे न सिर्फ आपका वक्त बचेगा, बल्कि आपको ज्यादा देर तक गर्म किचन में नहीं रहना पड़ेगा।

एग्जॉस्ट का करें इस्तेमाल

आजकल हर किसी की किचन में चिमनी जरूर होती है। खाना बनाते वक्त चिमनी जरूर चलाएं। इसके अलावा किचन की खिड़कियों को भी खोल दें। इससे हवा का क्रॉस वेंटिलेशन होगा और किचन में गंदगी, नमी के अलावा बदबू भी नहीं रहेगी। साथ ही, आप किचन में अच्छा वाला एग्जॉस्ट भी लगवाएं, जो हवा के वेंटिलेशन को बेहतर करेगा। इससे आपकी किचन हमेशा कूल और फ्रेश रहेगी।(आरएनएस)

हर गर्भवती महिला को फॉलो करना चाहिए ये खास डाइट प्लान

आमतौर पर डॉक्टर्स हर व्यक्ति को पौष्टिक आहार लेने की सलाह देते हैं। लेकिन जब बात हो गर्भावस्था की तो गर्भावस्था आहार में ऐसी चीजों को शामिल किया जाना चाहिए जिसमें पोषक तत्वों की भरमार हो। इतना ही नहीं गर्भावस्था आहार में विटामिन, कैल्शियम, प्रोटीन, कैलोरी की मात्रा भी भरपूर मिली होनी चाहिए। आइए जानें गर्भावस्था आहार में किन-किन चीजों को शामिल किया जा सकता है।

पानी और ताजे फलों का रस - गर्भवती महिला को अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए। ताजा खाने के साथ-साथ ताजे फल, ताजा जूस और उबला हुआ दूध और उससे बने पदार्थों का ही सेवन करना चाहिए।

विटामिन से भरपूर - गर्भावस्था में आवश्यक विटामिन खासकर विटामिन डी से भरपूर खाद्य पदार्थों का गर्भावस्था के दौरान भरपूर सेवन किया जाना चाहिए। यानी गर्भवती महिला को प्रतिदिन खनिज, कैल्शियम और विटामिन की सही मात्रा अपने खाने में शामिल करनी चाहिए। इतना ही नहीं फोलिड एसिड भी बच्चे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आयरन युक्त आहार - लौह युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन भी गर्भावस्था के दौरान बहुत जरूरी है। ये न सिर्फ खून की कमी को दूर करता है बल्कि हड्डियों को भी मजबूत करता है।

वसायुक्त आहार - गर्भावस्था में ऐसा भोजन करना चाहिए जो शरीर में वसा कोशिका को न बनने दे यानी मोटापा कम बढ़े। उबला हुआ भोजन खाना गर्भावस्था के समय सबसे बढ़िया है। जंकफूड को बिल्कुल नजरअंदाज करना चाहिए।

फोर्टिफायड फूड - गर्भावस्था आहार में कम से कम नमक का इस्तेमाल करते हुए फोर्टिफायड फूड लेना चाहिए। गर्भवती महिला को गेहूं, ओट मिल और अनाज की ब्रेड का ही सेवन करना चाहिए।

शब्द सामर्थ्य -103

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

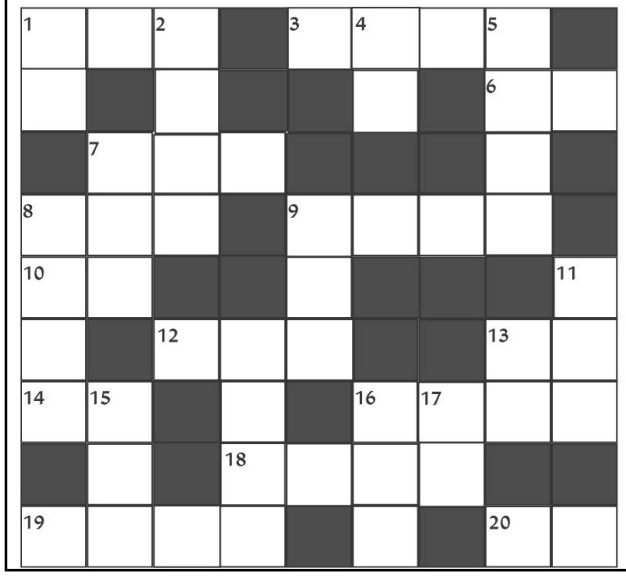

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 102 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

हीरामंडी - शर्मिन संग इश्क फरमाते दिखे ताहा शाह

संजय लीला भंसाली की ओटीटी डेब्यू सीरीज हीरामंडी-द डायमंड बाजार, जिसका प्रीमियर इस महीने की शुरुआत में हुआ था, जिसको लोगों ने काफी पसंद किया। इस फिल्म की कहानी से लेकर एक्टर्स की एक्टिंग और म्यूजिक की दर्शकों ने तारीफ की है। अब इसी बीच शर्मिन सहगल और ताहा शाह के बीच की केमिस्ट्री को प्रदर्शित करने वाला सुखदायक गीत, एक बार देख लिजिये अब आधिकारिक तौर पर जारी कर दिया गया है। आपको बता दें कि हाल ही में रिलीज़ हुई सीरीज हीरामंडी-द डायमंड बाज़ार के निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 'एक बार देख लिजिये' गीत को रिलीज कर दिया गया है। इस गाने को संजय लीला भंसाली ने कंपोज किया है और ए एम तुराज ने लिखा है। कल्पना गंधर्व ने रोमांटिक नंबर को अपनी मंत्रमुग्ध कर देने वाली आवाज दी है। म्यूजिक वीडियो का मुख्य आकर्षण शर्मिन सहगल और ताहा शाह बदुशा के बीच की केमिस्ट्री है। यह गीत उनके पात्रों, ताजदार और आलमजेब के स्नेही क्षणों के लिए एकदम सही पृष्ठभूमि है। वीडियो में शर्मिन अपने वायरल डायलॉग बोलती हुए नजर आ रहीं हैं, 'एक बार देख लिजिये, दीवाना बना दीजिये। जलने को है तैय्यर, परवाना बना दीजिये।' गीत जारी होने के तुरंत बाद फैंस अपने दमकर लाइक करने के साथ कमेंट कर अपने रिएक्शन दे रहें हैं। उन्होंने गायक के साथ-साथ अभिनेताओं के बीच की केमिस्ट्री की भी सराहना की। एक यूजर ने लिखा, 'ताज और आलम के साथ यह गाना, आपका दिल चुरा लेता है। इतनी मासूमियत से भरा हुआ, हमें इस तरह का गीत देने के लिए धन्यवाद, मासूम प्यार की खूबसूरती को समझने के लिए आज के समय में बहुत जरूरत है।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'सुंदर गीत, गायक की मंत्रमुग्ध कर देने वाली आवाज के साथ-साथ ताजदार की मासूम और शुद्ध आंखें + करिश्माई आभा और आलमजेब के सूक्ष्म भावों ने शानदार काम किया है।'

रिवीलिंग लहंगा पहने टीवी की नागिन सुरभि ज्योति ने ढाया कहर

टीवी की खूबसूरत अभिनेत्री सुरभि ज्योति हमेशा अपने लुक्स के कारण चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका हर एक अंदाज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक्स की तस्वीरें शेयर कर फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में उनकी हुस्न की बेबाक अदाएं देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं। एकता कपूर के सीरियल नागिन 3 में बेला का किरदार निभाकर हर दूसरे घर की चहेती एक्ट्रेस बनीं सुरभि ज्योति आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनकी हर एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगती थी। साथ ही फैंस उनके हर एक लुक पर जमकर प्यार लूटाते थे। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों में उनकी हुस्न की बेबाक अदाओं ने फैंस को उनके हुस्न का कायल कर दिया है। बता दें एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तारीफ करते हुए नहीं थकते हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं सुरभि ज्योति ने पिंक कलर का सिजलिंग लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो बला की खूबसूरत नजर आ रही हैं। ओपन हेयर, कानों में झुमके, स्टाइलिश लुक और न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस सुरभि ज्योति ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। सुरभि ज्योति सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म क्रू

बॉक्स ऑफिस पर सफलता का स्वाद चख चुकी फिल्म क्रू अब ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर भी रिलीज हो चुकी है. फिल्म में कॉमेडी की भरपूर डोज है, जिसके साथ-साथ कलाकारों की शानदार एक्टिंग भी देखने लायक है. करीना कपूर खान, कृति सेनन, तब्बू और कपिल शर्मा जैसे सितारों से सजी क्रू को निर्देशक राजेश ए. कृष्णन ने निर्देशित किया है. फिल्म 29 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर 156.36 करोड़ रुपये की कमाई करने में सफल रही थी। इससे पहले नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया पर भी एक पोस्ट के जरिए फिल्म की ओटीटी रिलीज से जुड़ी जानकारी लोगों के साथ साझा की थी। मध्य रात्रि से यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। ऐसे में जिसने भी इस फिल्म को अब तक नहीं देखा वे इसका लुत्फ अब उठा सकते हैं। यह फिल्म अब 190 में देशों में नेटफ्लिक्स पर देखी जा सकेगी। क्रू की कहानी लोगों को काफी पसंद आई थी, जिसकी वजह से इसने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कलेक्शन किया था। फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 81.7 करोड़ का कलेक्शन किया था। देश के साथ यह फिल्म विदेश में भी काफी पसंद की गई थी। फिल्म का ओवरसीज कलेक्शन 55 करोड़ रहा था। वहीं, इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन कुल 151.35 करोड़ रुपये था। क्रू के निर्माताओं ने इस फिल्म की ओटीटी रिलीज पर अपनी खुशी जाहिर की है। रिया कपूर और एकता आर कपूर ने इस फिल्म को लेकर कहा, थिएटर में सफल प्रदर्शन के बाद क्रू को नेटफ्लिक्स पर लाकर हम रोमांचित हैं। यह फिल्म ढेर सारे हास्य के से दोस्ती और धोखे पर आधारित है। यह एक ऐसी कहानी है जो आपको अपनी सीट से बांधे रखेगी।

बाजीराव सिंघम वाले अवतार में दिखे अजय देवगन

अजय देवगन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म सिंघम अगेन को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म की शूटिंग जारी है और रोहित शेट्टी अपने कॉप यूनिवर्स को लेकर लगातार कोई न कोई अपडेट साझा करते रहते हैं। इसी बीच सिंघम अगेन से अजय देवगन का फर्स्ट लुक सामने आया है। जिसमें वह अपने पुराने बाजीराव सिंघम वाले अवतार में नजर आ रहे हैं।

रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। अजय देवगन के अलावा इस फिल्म में दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, करीना कपूर और अर्जुन कपूर मुख्य भूमिकाओं में शामिल हैं। अजय देवगन जल्दी-जल्दी इस फिल्म की शूटिंग पूरा करने में जुटे हुए हैं। अजय देवगन के लेटेस्ट पोस्ट की बात करें तो इसमें वह पुलिस की वर्दी में खड़े नजर आ रहे हैं। उनके चेहरे पर वही सिंघम वाला रुतबा दिख रहा है।

अजय देवगन के आस पास सेना के कुछ और जवान वाहनों पर तैनात हैं और उनके हाथ में बंदूके हैं। चारों ओर बर्फ से ढंके हुए पहाड़ नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए रोहित शेट्टी ने लिखा है, बाजीराव सिंघम एसएसपी एसओजी स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के साथ। जम्मू-कश्मीर पुलिसज्सिंघम अगेनज्जल्द आ रहा है। बता दें कि सिंघम अगेन की शूटिंग कई दिनों से जम्मू कश्मीर में चल रही है। पिछले दिनों भी एक तस्वीर सामने आई थी, जिसमें रोहित शेट्टी और अजय देवगन सेना के जवानों के साथ उनके बीच में बैठे नजर आए थे।

बता दें कि सिंघम अगेन सिंघम सीक्वेंस की तीसरी किस्त है। वहीं रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की यह पांचवीं फिल्म है। पहले तो सिंघम अगेन की रिलीज डेज 15 अगस्त तय की गई थी, लेकिन अब इसे पोस्टपोन कर दिया गया है। हालांकि अभी सिंघम अगेन की नई रिलीज डेट को लेकर मेकर्स की ओर से कोई बयान जारी नहीं किया गया है। बता दें कि इस फिल्म में अर्जुन कपूर विलेन की भूमिका में नजर आएंगे और उन्होंने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। अर्जुन कपूर ने इंस्टाग्राम पर इस बात की जानकारी दी थी। बता दें कि इस फिल्म में रोहित शेट्टी अपनी कॉप यूनिवर्स के सभी सितारों को साथ ला रहे हैं।

कमल हासन की ठग लाइफ ने बनाया एक नया रिकॉर्ड

साउथ सुपर स्टार कमल हासन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ठग लाइफ की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वे एक बार फिर से दिग्गज निर्देशक मणिरत्नम के साथ काम कर रहे हैं। कमल हासन के फैंस अभी से ही उनकी इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। दर्शक बेसब्री से ठग लाइफ की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म ने रिलीज से पहले ही अपने नाम एक रिकॉर्ड बना लिया है।

निर्देशक मणिरत्नम 36 साल बाद एक बार फिर से कमल हासन के साथ काम कर रहे हैं। इन दिनों ठग लाइफ की शूटिंग दिल्ली में चल रही है।

हर दिन कमल हासन की इस फिल्म से जुड़ी कोई न कोई खबर आती ही रहती है। वहीं आज जो खबर आई है वह कमल हासन के फैंस को काफी उत्साहित करने वाली है। रिपोर्ट्स की माने तो ठग लाइफ की ओवरसीज राइट्स 63 करोड़ रूपये में बिकी है।

ठग लाइफ कॉलीवुड की पहली ऐसी फिल्म है जिसके ओवरसीज राइट्स 63 करोड़ रूपये में बिके हैं। इस खबर के बाद से कमल हासन के चाहने वालों में काफी उत्साह नजर आ रहा है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ठग लाइफ में कमल हासन तीन अलग-अलग किरदारों को निभाते नजर आएंगे। हालांकि अभी तक इस खबर की कोई पुष्टि नहीं की गई है। कमल हासन की यह फिल्म एक एक्शन ड्रामा फिल्म होने जा रही है।

ठग लाइफ मणिरत्नम की महत्वाकांक्षी फिल्म है। वे इस फिल्म के निर्माण में कोई कमी नहीं छोडऩा चाहते हैं। इस फिल्म में कमल हासन के अलावा तृषा कृष्णन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, गौतम कार्तिक, नासिर, पंकज त्रिपाठी और अली फजल जैसे सितारे अपने अभिनय का जलवा बिखेरते नजर आएंगे। इस फिल्म में संगीत एआर रहमान का होगा। दर्शक बेसब्री इस फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

अमायरा दस्तूर का ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में में दिखा दिलकश अंदाज

बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री अमायरा दस्तूर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कुछ आकर्षक तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वे एक ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस ड्रेस में उनका दिलकश अंदाज सबको मोहित कर रहा है। अमायरा की इन तस्वीरों में उनके खुले बाल और उनकी ग्लैमरस पोज़िंग ने फैंस को उनकी और आकर्षित किया है। इस आउटफिट में अमायरा ने न केवल अपने स्टाइल का परिचय दिया, बल्कि उन्होंने यह भी दिखाया कि कैसे एक सिंपल लुक को भी उत्कृष्ट बनाया जा सकता है। उनकी इन तस्वीरों को देख कर यूज़र्स के बीच खासी चर्चा हुई और उन्होंने अमायरा के लुक को खूब सराहा है।

अमायरा दस्तूर अपनी इन ताजा तस्वीरों के जरिए न केवल अपनी स्टाइलिश छवि को बरकरार रखती हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि वे अपनी प्रत्येक पोज़ में कितनी आत्मविश्वासी और आकर्षक दिखती हैं। उनकी यह तस्वीरें निश्चित रूप से उनके फैंस को और भी दीवाना बना देंगी।

भारत में आय की असमानता : जरूरत है बहुआयामी दृष्टिकोण की

राम शर्मा

विश्व के आर्थिक जगत में इन दिनों आय असमानता व्यापक बहस का विषय है। न केवल विकासशील देशों में अपितु विकसित देशों में भी अमीरी और गरीबी के बीच की खाई बढ़ती जा रही है। चीन और भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देशों में आर्थिक असमानता चिंताजनक स्तर पर है। पिछले कुछ दशकों में महत्वपूर्ण आर्थिक विकास के बावजूद आबादी का एक बड़ा हिस्सा अभी भी अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है। भारत में आय असमानता की भयावहता को समझने के लिए कुछ आर्थिक आंकड़ों पर नजर डालने की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय एनजीओ ऑक्सफेम की विश्व असमानता रिपोर्ट के अनुसार भारत की शीर्ष 1ः आबादी के पास देश की कुल सम्पत्ति का 73 प्रतिशत भाग है। इसी रिपोर्ट के अनुसार देश के 67 करोड़ भारतीयों (जो कि देश की आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं) की सम्पत्ति में मात्र ०1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार राष्ट्रीय आय का अनुपातहीन रूप से बड़ा भाग उच्च वर्ग के पास है, जबकि समाज के 5० प्रतिशत हिस्से के पास सामूहिक रूप से बहुत कम हिस्सा है। यह स्पष्ट विरोधाभास आय की विषमता को दर्शाता है। इसके अलावा विश्व बैंक की रिपोर्ट से भी पता चलता है कि भारत का गिनी गुणांक ०।34 है, जो कि तुलनात्मक रूप से उच्च आय असमानता को दर्शाता है। यह गुणांक आय असमानता मापने का प्रमुख सूचकांक है। यह पिछले कुछ वर्षों में लगातार उच्च बना हुआ है। यह दर्शाता है कि धन वितरण अत्यधिक विषम बना हुआ है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी का एक बड़ा हिस्सा रहता है। लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और रोजगार के अवसरों की कमी जैसे कारकों के कारण शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आय की असमानता अधिक रहती है। भारत में बढ़ती आय असमानता के कई कारण है। इसमें पहला है शहर और गांवों में रोजगार के अवसरों की असमानता। आमतौर पर शहरी क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में रोजगार के अवसर अधिक है। काम के बदले मिलने वाले पारिश्रमिक में भी अंतर होता है। कृषि से होने वाली आय भी अल्प होती है। ऐसे में ग्रामीण और शहरी आबादी में आय की असमानता हो जाती है।

आय असमानता का दूसरा प्रमुख कारण शैक्षिक असमानताओं को माना जाता सकता है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच कमाई की क्षमता निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि पर आधारित शैक्षिक अवसरों में असमानताएं आय असमानता को और बढ़ा देती हैं। संपन्न परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलती है, जिससे वे उच्च वेतन वाली नौकरियों की राह पर आगे बढ़ते हैं, जबकि वंचित पृष्ठभूमि के बच्चे अक्सर पीछे रह जाते हैं। तीसरा प्रमुख कारण लैगिंक असमानता है। भारत में लैंगिक असमानता एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनी हुई है, महिलाएं लगातार समान काम के लिए पुरुषों की तुलना में कम कमाती हैं। सामाजिक मानदंड, अवसरों की कमी और शिक्षा व कौशल विकास कार्यक्रमों तक सीमित पहुंच इस असमानता में योगदान करती है, जिससे महिलाओं के लिए आर्थिक नुकसान का चक्र कायम रहता है। चौथा प्रमुख कारण औपचारिक क्षेत्र का प्रभुत्व है। भारत के कार्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत है, जिसमें नौकरी की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और उचित वेतन का अभाव है। अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिक अक्सर शोषण के प्रति संवेदनशील होते हैं और उनके पास ऊपर की ओर गतिशीलता के सीमित अवसर होते हैं, जो आय असमानता में योगदान करते हैं। आय की इस असमानता से सामाजिक अशांति उत्पन्न होती है। समाज में असंतोष पैदा हो सकता है, जिससे सरकार और आर्थिक अभिजात वर्ग के प्रति नाराजगी और अविश्वास को बढ़ावा मिल सकता है। इसी प्रकार आर्थिक विषमता से स्वास्थ्य संबंधी असमानताएं हो जाती है। साथ ही साथ यह असमानता सामाजिक गतिशीलता को बाधित करती है, जिससे वंचित पृष्ठभूमि के व्यक्तियों के लिए अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार करना मुश्किल हो जाता है। अंततः अमीरी और गरीबी के बीच खाई बढ़ती ही जाती है।

आय असमानता से निपटने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में ठोस प्रयासों की आवश्यकता है। इसके लिए शिक्षा में निवेश की सबसे ज्यादा जरूरत है। शिक्षा को प्राथमिकता देना और सभी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा मिलना जरूरी है। इसी प्रकार लैंगिक समानता को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। शिक्षा हो, रोजगार हो या फिर वेतन का मामला पुरुषों और महिलाओं के बीच किसी प्रकार का भेद नहीं किया जाना चाहिए। सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को बढ़ावा देना भी आय असमानता को दूर करता है।

कमजोर आबादी को स्वास्थ्य देखभाल, आवास और खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को मजबूत करना महत्वपूर्ण है। इन कार्यक्रमों को सबसे अधिक जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने और आर्थिक कठिनाइयों का सामना करने वाले लोगों के लिए सुरक्षा जाल प्रदान करने के लिए डिजाइन किया जाना चाहिए। अनौपचारिक क्षेत्र के औपचारिकीकरण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सहायक नीतियों और प्रोत्साहनों के माध्यम से अनौपचारिक क्षेत्र के औपचारिकीकरण को बढ़ावा देने से काम करने की स्थिति में सुधार हो सकता है, उचित वेतन सुनिश्चित हो सकता है और श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जा सकती है।

आय की विषमता दूर करने के लिए प्रगतिशील कराधान महत्वपूर्ण उपाय है। अमीरों पर आनुपातिक रूप से अधिक कर लगाने वाली प्रगतिशील कराधान नीतियों को लागू करने से धन के पुनर्वितरण और आय असमानता को कम करने में मदद मिल सकती है। प्रगतिशील करों से उत्पन्न राजस्व को इसमें पुनः निवेश किया जा सकता है सामाजिक कल्याण कार्यक्रम और बुनियादी ढांचे का विकास।

आय असमानता भारत के सामाजिक। आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पैदा करती है और समावेशी विकास हासिल करने के प्रयासों को कमजोर करती है। इस मुद्दे के समाधान के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो शिक्षा तक असमान पहुंचए लिंग भेदभाव और अनौपचारिक क्षेत्र के प्रभुत्व जैसे मूल कारणों से निपट सके। न्यायसंगत नीतियों और निवेश को प्राथमिकता देकर भारत एक अधिक समावेशी और समृद्ध समाज को बढ़ावा दे सकता है जहां प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढ़ने का अवसर मिले।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कारावास का तात्पर्य सुधारना

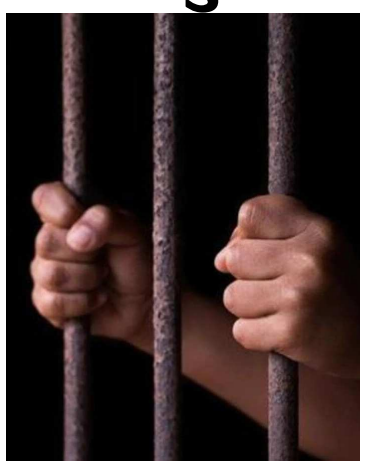

देश में चल रही खुली जेलों के दायरे को कम करने का कोई प्रयास नहीं किए जाने का निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने दिया है। अर्धखुली या खुली जेल व्यवस्था के तहत दोषियों को आजीविका कमाने के लिए दिन में परिसर से बाहर काम करके शाम को वापस लौटने की अनुमति दी जाती है।

अदालत ने राजस्थान, महाराष्ट्र, केरल व पश्चिम बंगाल को निर्देश दिया कि वे खुले सुधार संस्थानों की स्थापना, विस्तार व प्रबंधन पर अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं, लागू नियमों, दिशा-निर्देशों और अनुभव को राष्ट्रीय कानून सेवा प्राधिकरण के साथ साझा करें।

खंडपीठ ने उल्लेख किया कि जेलों व कैदियों से संबंधित मामलों में न्याय मित्र वकील ने बताया कि केंद्र सरकार आदर्श मसौदा नियमावली के तहत खुले शिविरों/संस्थाओं/जेलों का नाम खुले सुधारात्मक संस्थान किया गया है।

इन जेलों का मकसद न्यूनतम बंदिशों में कैदियों को समाज से तालमेल बिठाने व बाहर सामान्य जीवन जी कर मनोवैज्ञानिक दबाव कम करना है। सबसे बड़ी अदालत पहले भी कह चुकी है कि खुली जेलों की स्थापना जेलों में भीड़ का समाधान हो सकती है। इससे कैदियों के पुनर्वास के मुद्दे का समाधान भी हो सकता है। जैसा कि इन जेलों में चुनिंदा कैदियों को रहने की इजाजत होती है। उनके आचरण व अनुसाशन पर सख्त नजर रखी जाती है।

जो कैदी तीन बार पैरोल पर जा चुके हों या जमानत से मिली अस्थाई रिहाई के दौरान उनके खिलाफ कोई शिकायत या अनुचित आचरण की कोई शिकायत न हो, उन्हें भी यहां रखा जाता है। जाहिर है, यह दोषियों के सुधार व उन्हें मौका देने का सकारात्मक तरीका है।

ऐसा करने से निस्संदेह हालात बेहतर होंगे और जेल को उस तरह से परिभाषित नहीं किया जाएगा कि वहां जाने के बाद कैदी सुधरने के बजाय बिगड़ जाते हैं। इन क्षेत्रों को सीमित करने के पीछे सरकार की मंशा को भी समझना जरूरी है।

अपने यहां यूं भी जेलों में सीमा से बहुत ज्यादा कैदी होने के चलते व्यवस्थागत दिक्कतें आती रहती हैं। किसी भी दोषी या सजायाफ्ता को सुधार का मौका अवश्य दिया जाना चाहिए। कई बार देखेने में आता है, अपराधियों को अपने कृत्य पर ग्लानि होती है और वे पक्षतावा भी करते हैं।

दूसरे, विचाराधीन कैदियों का भी मनोवैज्ञानिक तौर पर सहयोग होना जरूरी है। कारावास का तात्पर्य उन्हें सुधारना न हो, न कि जघन्य अपराधी बनने की तरफ धकेलना।(आरएनएस)

भ्रामक विज्ञापनों से स्वास्थ्य को नुकसान

अशोक शर्मा

इंटरनेट ने सूचना, संचार एवं संवाद के दायरे को अद्भुत विस्तार दिया है, पर यह भ्रामक विज्ञापनों, फेक न्यूज और धोखाधड़ी का भी बहुत बड़ा ठीहा बन चुका है। यह बेहद चिंताजनक है कि अधिकतर आपराधिक और नकारात्मक विज्ञापन स्वास्थ्य से संबंधित हैं।

विज्ञापन मानकों की नियामक संस्था एडवरटाइजिंग स्टैंडर्ड्स काउंसिल ऑफ इंडिया विभिन्न माध्यमों- टीवी, प्रिंट, डिजिटल और ओटीटी- पर आने वाले विज्ञापनों की शिकायतों की जांच में पाया है कि 2०23-24 में 19 प्रतिशत से अधिक विज्ञापनों ने नियमों का उल्लंघन किया है। पिछले वित्त वर्ष में कुल 8,229 भ्रामक विज्ञापन चिह्नित हुए, जिनमें 1,569 स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े हैं। अवैध पायी गयीं लगभग 86 प्रतिशत दवाओं का प्रचार डिजिटल मंचों से हो रहा था। ऐसी दवाओं या उपचार के प्रचार पर कानूनी पाबंदी है, जिनमें जादुई गुण होने का दावा किया जाता है। ऐसा करना अपराध है। फिर भी बीते वित्त वर्ष में ऐसे 1,249 विज्ञापनों को रेखांकित किया गया है।

हाल के वर्षों में सरकार ने अनेक तरह से पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के प्रचार-प्रसार को प्रोत्साहित किया है। लोगों में भी इनकी स्वीकार्यता बढ़ी है। इस स्थिति का फायदा उठाते हुए बहुत से विज्ञापन दिये जा रहे हैं, जिनका इरादा लोगों को ठगना है। सेक्स क्षमता बढ़ाने के दावे करते हुए भी बहुत से विज्ञापन दिये जा रहे हैं। काउंसिल के रिपोर्ट ने रेखांकित किया है कि भ्रामक और झूठे विज्ञापन देना लोगों के भरोसे का बेजा फायदा उठाना है तथा ऐसी दवाओं या इलाज से स्वास्थ्य को नुकसान पहुंच सकता है। हाल में एक प्रतिष्ठित कंपनी को बरगलाने वाले विज्ञापन देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने कड़ी फटकार लगायी थी।

अखबारों और टीवी चैनलों पर काफी हद तक ऐसे विज्ञापनों को रोका जा सकता है और रोका भी जाना चाहिए, लेकिन डिजिटल स्पेस में रोकथाम बहुत मुश्किल है। डिजिटल मंच सूचना, समाचार और संपर्क के सबसे बड़े माध्यम बनकर उभरे हैं। इसलिए वहां विज्ञापनों की बाढ़ आ गयी है। हालांकि नियम-कानून हैं, पर तकनीक की रफ्तार के हिसाब से गलत हरकतों पर काबू करना बहुत बड़ी चुनौती है। एक मुश्किल यह भी है कि दोषियों को पकड़ना आसान नहीं होता और अगर वे पुलिस व कानून की गिरफ्त में आ भी जाते हैं, तो बचकर निकल जाते हैं या उन्हें कठोर सजा नहीं मिलती।

सू- दोकू क्र. 103

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.102 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2	6	1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

अजय भट्ट ने की मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट

संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से निर्वाचित सांसद अजय भटट ने शिष्टाचार भेंट की। आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उत्तराखण्ड सदन नई दिल्ली में नैनीताल-उधमसिंह नगर लोक सभा सीट से नव निर्वाचित सदस्य अजय भटट ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अजय भटट को बधाई व शुभकामनाएं दी।

शनि जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

संवाददाता

देहरादून। माता वैष्णों देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव में शनि जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। आज यहां माता वैष्णों देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव देहरादून में शनि जन्मोत्सव आचार्य डा. बिपिन जोशी के पावन सानिध्य में हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। शनि देव का तेल से अभिषेक कर विशेष पूजा अर्चना की गई। विश्व शांति देश के चहुमुखी विकास और देवभूमि उत्तराखंड की सुख शांति और समृद्धि की मंगल कामना की गई, पूजा अर्चना आचार्य विकास भट्ट ने करवाई, भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। डिंपल गायकवाड, पंडित गणेश बिजलवान, हर्षपति रयाल, अरविंद बडोनी आदि का विशेष सहयोग रहा।

बैंकॉक में फंसे 7 युवकों को वापस लाने की एसएसपी ने चलायी मुहिम

संवाददाता

देहरादून। बैंकॉक में फंसे सात युवकों को भारत वापस लाने के लिए एसएसपी अजय सिंह ने मुहिम चलाते हुए सम्बन्धित विभागों से सम्पर्क किया।

मिली जानकारी के अनुसार पांच जून को कुमारी जिया गौतम पुत्री सीताराम गौतम, निवासी इन्द्रा कालोनी, प्रतीत नगर रायवाला द्वारा पुलिस कार्यालय देहरादून में आकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह को प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसमें उनके द्वारा बताया गया कि उनका भाई विधान गौतम, जो आई.टी. सेक्टर में काम करने हेतु माह मार्च 2024 मे दुबई गया था तथा वहां से अपने 07 अन्य भारतीय साथियों के साथ माह मई 2024 में घर वापस आ गया था। माह मई 24 में गुजरात निवासी एजेंट जय जोशी द्वारा उसके भाई विधान गौतम को वीडियो कॉल किया तथा उनके भाई व उसके 07 साथियों को थाइलैण्ड मे बडी आईटी कंपनी में जॉब दिलाने व अच्छी सैलरी दिये जाने की बात कह कर वीडियो कॉल के माध्यम से सभी का स्क्रीनिंग टेस्ट लिया गया तथा सभी को बताया की उनका सलेक्शन बैंकॉक की आईटी कम्पनी में हो गया है।

बताया कि इंडिया से बैंकॉक, थाइलैण्ड जाने का सारा खर्चा व सुविधाएं कंपनी देगी तथा 21 मई 2024 को एजेंट जय जोशी उनके भाई विधान और 07 अन्य साथियों को दिल्ली से लेकर बैंकाक, थाईलैंड पहुंचा। उसके उपरान्त उनका अपने भाई विधान से सम्पर्क नहीं हो पाया, जिसपर उन्होंने जय जोशी से संपर्क किया, तो जय जोशी द्वारा उन्हें गुमराह कर बताया की विधान को अच्छी जॉब मिली है, और वह ज्यादा व्यस्त होने के कारण बात नहीं कर पा रहा है, उसके बाद जय जोशी से उनकी कोई बात नहीं हो पाई। कुछ समय बाद युवती के पिता के व्हाट्सएप नंबर पर विधान गौतम का व्हाट्सएप कॉल आया और उसने बताया की जय जोशी ने उनके साथ धोखाधड़ी की है, तथा विधान और उसके 07 साथियों को बैंकाक एयरपोर्ट से एजेंट के साथियों द्वारा बंदूक दिखाकर उन सभी को अगवा कर वहां से म्यांमार बार्डर क्रॉस कराया गया, जहां उन्हे बधंक बनाया गया है, वहां पर लगभग 70 भारतीय युवकों सहित अन्य देशों के कुल करीब 200 लोगों को बंधक बनाकर रखा गया है। जिनमे से 10 युवक उत्तराखंड से है तथा उनके द्वारा उन्हें प्रताड़ना देते हुए उनसे साइबर फ्राड का काम करवाया जा रहा है तथा जो इनकी बात नहीं मानता, उसे इनके द्वारा मार दिया जाता है। यदि उसे इनके कब्जे से जल्द नहीं छुड़ाया गया तो यह लोग हमें भी मार देंगे। प्रकरण में जिया गौतम द्वारा थाना रायवाला में दी गई तहरीर के आधार मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सरकारी कार्यालयों में कार्य ई-ऑफिस के माध्यम से ही किया जाये: बर्द्धन

संवाददाता

देहरादून। अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि सरकारी कार्यालयों में अधिक से अधिक कार्य ई-आफिस के माध्यम से किया जाये।

आज यहां अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में एक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन को अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण के माध्मय से समस्त जनपदों में हवाई सम्पर्क सैचुरेशन, असुरक्षित पुलों से छुटकारा, सड़कों में क्रैश बैरियर का निर्माण, विद्यालयों में आवश्यक फर्नीचर की आपूर्ति, चरणबद्ध रूप से सोलर एनर्जी सिस्टम से सैचुरेशन, सरकारी कार्यालयों में चरणबद्ध ई-आफिस का क्रियान्वयन, भू-अभिलेख व अन्य शासकीय अभिलेखों का चरणबद्ध रूप से डिजिटाईजेशन, प्रदेश में कृषि, उद्यान व वन विभाग के अन्तर्गत चरणबद्ध रूप से बायो-फैन्सिंग सैचुरेशन, स्वरोजगार केन्द्रों की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण, ग्राम पंचायतों में पंचायत भवनों की स्थापना, पुस्तकालयों की स्थापना एवं सुदृढ़कीकरण, प्रदेश के प्रत्येक जिले में थीम बेस्ड विज्ञान व नवाचार केन्द्रों की स्थापना व सुदृढ़ीकरण, इण्डोर व ओपन स्टेडियम की स्थापना व सुदृढ़ीकरण, जनपद मुख्यालयों में आडिटोरियम/संस्कृति केन्द्रों की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण आदि के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में समस्त जनपदों में हवाई सम्पर्क सैचुरेशन के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी देते हुये अधिकारियों ने बताया कि हेलीकाप्टर सेवा सभी जनपदों में सैचुरेशन करने का लक्ष्य है, जिस ओर तेजी से कार्य हो रहा है। अपर मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रदेश के पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों में हवाई सेवा विकसित की जाये। बैठक में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने असुरक्षित पुलों के सम्बन्ध में बताया कि प्रदेश में 94 असुरक्षित पुल चिह्नित किये गये हैं, जिनमें से 34 पुलों का

▶▶ शेष पृष्ठ 8 पर

महिला आयोग अध्यक्ष ने महिला की हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार कर, कड़ी कार्रवाई करने के दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। लालतप्पड़ चौकी क्षेत्र में महिला का गला दबाकर हत्या के मामले में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने संज्ञान लेते हुए एसओ डोईवाला से आरोपियों को गिरफ्तार कर, कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कोतवाली डोईवाला के लालतप्पड़ पुलिस चौकी क्षेत्र में देर रात एक महिला की गला दबाकर हत्या के मामले में उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने स्वत: संज्ञान लेते हुए एसओ डोईवाला से फोन पर वार्ता की और जानकारी ली।

एसओ ने बताया कि पुलिस ने एक नामजद व दो अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। एक आरोपी मृतका के बेटे की वर्कशॉप में काम करता था। लालतप्पड़ निवासी कुलदीप कौर (54) पत्नी हरजीत सिंह आंगन में सो रही थी। इसी दौरान तीन लोग आंगन में आ धमके। दो व्यक्तियों ने कुलदीप कौर के पैर दबाए और एक गला दबाने लगा। इसी दौरान उसके बगल में सो रही नातिन बेटी की पुत्री सिमरन जाग गई। वह अपने मामा जगदेव (कुलदीप कौर के पुत्र) को बुलाने के लिए कमरे की ओर दौड़ पड़ी लेकिन जब तक कोई पहुंचता तीनों भाग निकले। भागते आरोपियों पर जगदेव के चाचा हरजिंदर सिंह की भी नजर पड़ी। घटना के बाद परिजन कुलदीप कौर को जौलीग्रांट अस्पताल लेकर गए जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले में आयोग की अध्यक्ष ने एसओ डोईवाला को शीघ्रता दिखाते हुए तत्काल आरोपियों को ढूंढ कर उनके विरुद्ध कड़ी धाराओं में कार्रवाई के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि महिला के घर मे घुस कर उसकी हत्या करने वाले अत्यंत गम्भीर अपराधी है और ऐसे आरोपियों के हौसले बुलंद ना हो इसके लिए जल्द से जल्द उन्हें गिरफ्तार किया जाए तथा सभी आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। आयोग पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है।

प्रावि जैती के तीन टॉपर्स को मिला स्कॉलरशिप

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। सामुदायिक पुस्तकालय की पहल पर आओं अपने गांव से जुड़े अभियान के तहत शर्मोली निवासी भूपाल सिंह लसपाल ने अपने स्वर्गीय माता श्रीमती तारा देवी लसपाल तथा स्वर्गीय पिता कुँवर सिंह लसपाल की स्मृति में राजकीय प्राथमिक विद्यालय जैती के तीन टॉपर विद्यार्थियों को वन टाइम स्कॉलरशिप देकर सम्मानित किया। इसके अलावा राजकी प्राथमिक विद्यालय जैती, नमजला तथा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय शांतिकुंज के प्रत्येक कक्षा में टॉपर्स विद्यार्थियों को जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार 2023 देकर सम्मानित किया गया।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय जैती में आयोजित सम्मान समारोह में आयोजक भूपाल सिंह लसपाल की 1964 में प्रथम शिक्षिका रही श्रीमती नंदी देवी बृजवाल द्वारा कक्षा 5 की कुमारी संध्या, कक्षा 2 की कुमारी तनुजा, कक्षा 3 के अंशुमन को स्कॉलरशिप के रूप में नगद धनराशि पुरस्कार के रूप में दी गई।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया की ओर से इन तीनों स्कॉलरशिप प्राप्त विद्यार्थियों के अलावा कक्षा 4 की ईशिका, कक्षा 1 की हिमानी तथा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय शांतिकुंज के कक्षा 8 के कुमारी तनुजा भंडारी, कक्षा 7 की कुमारी

तीन विद्यालय के कक्षा टॉपर्स को दिया जिपंस पुरस्कार

भूमिका, कक्षा 6 की कुमारी रेखा को जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार के रूप में तथा प्रशस्ति पत्र तथा डिक्शनरी देकर सम्मानित किया गया।

इधर राजकीय प्राथमिक विद्यालय नमजला में आयोजित कार्यक्रम में कक्षा 1 के अंकित कुमार, कक्षा 2 के रितेश कुमार, कक्षा 3 की कुमारी कविता, कक्षा 4 की कुमारी प्रिया, कक्षा 5 की कुमारी बबली को जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार 2023 देकर सम्मानित किया गया।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने बताया कि आओं अपने गांव से जुड़े अभियान के तहत सक्षम लोग अपने गांव के विद्यालय में इस तरह का आयोजन कर रहे है। उन्होंने कहा कि इस अभियान से हम अपने गांव की जड़ों से जुड़ सकते है। इस अभियान का असर 5 साल के बाद नजर आएगा। इस अवसर पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि महेश सिंह रावत ने कहा कि पंचायत को भी अपने गांव के होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित करके विद्यार्थियों के मध्य कंपटीशन की भावना को पैदा करने के लिए आगे आना चाहिए।

एक नजर

सहस्त्रताल सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन संपन्न

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। सिल्ला- कुशकल्याण- सहस्त्रताल ट्रैक पर फंसे पर्यटकों की खोज एवं बचाव के लिए संचालित अभियान आज संपन्न हो गया है। इस रेस्क्यू अभियान में तेरह ट्रैकर्स को गत दिवस सुरक्षित निकाल लिया गया था। आज दूसरे दिन प्रातः अभियान की शुरूआत करते हुए वायु सेना के दो चीता हेलीकॉप्टर्स के जरिए घटनास्थल से चार शवों को निकाल कर नटीण हेलीपैड लाया गया। इस प्रकार, हादसे में मरने वाले ट्रैकर्स की संख्या नौ हो गई है। उधर, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सिल्ला-कुशकल्याण-सहस्त्रताल ट्रैक पर फंसे पर्यटकों की खोज एवं बचाव के लिए संचालित रेस्क्यू अभियान पर निरंतर नजर रखे रहे। उन्होंने रेस्क्यू अभियान में हर संभव विकल्पों और संसाधनों का प्रयोग करने की हिदायत दी थी।

हादसे में घटनास्थल से सुरक्षित निकाले गए 8 लोगों को गत दिवस देहरादून भेजा जा चुका है। जबकि यहां रूके पाँच अन्य ट्रैकर्स को आज देहरादून भेजा जा रहा है। घटनास्थल से बरामद सभी नौ शवों को नटीण हेलीपैड से जिला अस्पताल उत्तरकाशी लाकर पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई की जा रही है। कुछ देर बाद इन सभी शवों को वायु सेना के एमआई-17 हेलीकॉप्टर से देहरादून भेजा जाएगा।

❑13 लोगों को सुरक्षित बचाया, नौ ट्रैकर्स की मौत

आज सुबह घटनास्थल से एसडीआरएफ के तीन रेस्क्यूअर्स को भी हेलीकॉप्टर की मदद से नटीण लाया गया है और रेस्क्यू के लिए जमीनी रास्ते से आगे बढ रही टीमों को भी वापस लाने की कार्रवाई चल रही है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर हादसे की सूचना मिलते ही रातों-रात वायु सेना से लेकर निजी कंपनियों के हेलीकॉप्टर्स जुटाने के साथ ही उच्च हिमालयी क्षेत्रों में रेस्क्यू करने में दक्ष व अनुभवी रेस्क्यूअर्स की अनेक टीमों को तैयार कर अगले दिन तड़के ही कई दिशाओं से जमीनी व हवाई रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया गया और दोपहर होने तक सभी जीवित ट्रैकर्स को सुरक्षित निकाल लिया गया था।

मुख्यमंत्री शुरू से इस अभियान को लेकर निरंतर जिलाधिकारी से अपडेट लेते रहे। मुख्यमंत्री ने इस हादसे में ट्रैकर्स की मौत होने पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए अधिकारियों को इस रेस्क्यू अभियान में हर संभव विकल्पों पर कार्रवाई करने के साथ ही उत्कृष्ट संसाधनों एव विशेषज्ञ रेस्क्यूअर्स को जुटाने के निर्देश देते हुए कहा था कि सहस्त्रताल क्षेत्र में फंसे जीवित पर्यटकों के जीवन के रक्षा के लिए कोई भी कसर न रखी जाए। मुख्यमंत्री ने इस जटिल व अत्यंत चुनौतीपूर्ण अभियान को तेजी से संचालित करने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे सभी लोगों, विभागों व संगठनों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पूरी दक्षता, क्षमता व तत्परता के साथ रेस्क्यू अभियान संचालित करने के फलस्वरूप इस हादसे में जीवित सभी व्यक्तियों को गत दिन ही सुरक्षित निकालने में सफलता मिली है।

कटेनर की चपेट में आकर युवक की मौत

देहरादून (सं)। कंटेनर की चपेट में आकर युवक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक की मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जीवनगढ निवासी रमीशा ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका पुत्र शहबान 04 जून 2024 को अपने रिश्तेदार इसरान के साथ ट्रक पर परिचालक के काम से गया था देहरादून से वापस आते समय स्थान बंशीपुर में वाहन चालक ने गाड़ी को अपनी साइड में रोड से दूर खड़ा किया था उसका पुत्र अपनी गाड़ी के टायर चेक कर रहा था तो रात्रि में देहरादून की ओर से आते हुये कन्टेनर ट्रक के चालक ने वाहन को तेजी व लापरवाही से चलते हुये उसके पुत्र को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गयी उक्त दुर्घटना को इसरान व जमोटो के कर्मचारी ने देखा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सरकारी कार्यालयों में कार्य ई...

◀◀ पृष्ठ 7 का शेष

जीर्णाद्धार/नवीनीकरण कर दिया गया है तथा शेष सेतुओं का जीर्णाद्धार/नवीनीकरण का कार्य भी यथाशीघ्र कर दिया जायेगा। झूला पुलों के सम्बन्ध में अधिकारियों ने बताया कि 15 झूला पुलों का इस्टीमेट तैयार कर लिया गया है तथा शेष की डीपीआर चार माह के भीतर प्रस्तुत कर दी जायेगी। इस पर अपर मुख्य सचिव ने अधिकारियों को फास्ट मोड में कार्य करने के निर्देश दिये। क्रेश बैरियर के सम्बन्ध में पूछे जाने पर अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में जितने भी क्रेश बैरियर चिह्नित किये गये हैं, उन्हें इस वर्ष पूर्ण कर लिया जायेगा। बैठक में सरकारी कार्यालयों में ई-आफिस के क्रियान्वयन की चर्चा करते हुये अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिये कि ई-आफिस के कार्य में और तेजी लाई जाये तथा मुख्य सचिव की अध्यक्षता में इस सम्बन्ध में एक बैठक का आयोजन किया जाये तथा सरकारी कार्यालयों का अधिक से अधिक कार्य ई-आफिस की माध्यम से ही किया जाये। इस अवसर पर सचिव सुरेन्द्र नारायण पाण्डेय, विनोद कुमार सुमन, अपर सचिव सी. रवि शंकर, श्रीमती रंजना राजगुरू सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

विकसित भारत और श्रेष्ठ उत्तराखंड निर्माण के लिए है यह जनादेशःभट्ट

हमारे संवाददाता

देहरादून। यह लोक सभा चुनाव उत्तराखंड के लिहाज से बेहद अहम है और यह चुनाव ऐतिहासिक होने के साथ विकसित भारत के निर्माण एवं श्रेष्ठ उत्तराखण्ड की दिशा में आगे बढ़ने का जनादेश है।

यह बात भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट द्वारा पत्रकार वार्ता के दौरान कही गयी। उन्होने भाजपा संगठन मातृ शक्ति, युवाओं, बुजुर्गों, सैनिकों एवम पूर्व सैनिकों, किसानों, श्रमिकों, सरकारी एवम गैर सरकारी कर्मचारियों समेत समाज के सभी वर्गों को उनके अमूल्य समर्थन के लिए आभार जताया। भट्ट ने कहा कि यह जनादेश बताता है कि प्रधानमंत्री मोदी एवं भाजपा देश की जनता का दिल जीतने में सफल रहे हैं। 1962 के बाद पहली बार देश में कोई गठबंधन लगातार तीसरी बार जनता का विश्वास जीतने में सफल रहा है। यह जनादेश, देवभूमि की महान जनता द्वारा राज्य की पांचों सीटों पर कमल खिलाने की हैट्रिक लगाने के लिए भी याद किया जाएगा । इसके अलावा यह जातिवादी, तुष्टिकरण वाली और हवा हवाई घोषणाओं की आड़ में सत्ता हथियाने वालों की साजिश के असफल करने के लिए है। वहीं भ्रष्टाचार, परिवारवाद और राष्ट्रविरोधी ताकतों को परास्त करने के लिए है।

उन्होने कहा कि यह जनादेश पीएम मोदी के मार्गदर्शन और सीएम धामी के नेतृत्व में राज्य की डबल इंजन सरकार के कामों पर जनता का आशीर्वाद है। वहीं राज्य के तीव्र गति से विकास मार्ग पर आगे बढ़ने और देवभूमि का स्वरूप बनाए रखने वाले साहसिक निर्णयों के पक्ष में है। जनता ने डबल इंजन सरकार के कार्यों पर मुहर लगाई है वही राज्य में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा लिये कड़े साहसिक निर्णयों एवं प्रदेश के हुए चौमुखी विकास पर जनता ने अपनी मुहर लगाकर आशीर्वाद दिया है। अब तक सामने आए आंकड़े भी हमारे लिए संतोषजनक और उत्साहवृद्धन करने वाले हैं।

डबल इंजन सरकार के कामों पर जनता ने लगाई मुहर

भट्ट ने कहा कि 2022 में संपन्न हुए अंतिम चुनावों के मुकाबले इस बार के लोकसभा चुनाव में हम कुल 60 विधानसभा में आगे रहे हैं। जो पिछली 47 सीटों के मुकाबले 13 अधिक है। वहीं दो लोकसभा पौड़ी एवं अल्मोड़ा की सभी 14 विधानसभा में हम आगे रहे है। नैनीताल लोकसभा क्षेत्र में मात्र 1 विधानसभा में हम पीछे रहे। टिहरी लोकसभा सीट पर 11 विधानसभा में हमने जीत दर्ज की है। इसमें भी बीजेपी अपनी एक ही सीट को हारी है अन्य दो एक निर्दलीय एवं कांग्रेस की ही रही है। हरिद्वार में भी 2022 के प्रदर्शन को बेहतर करते हुए भाजपा ने 14 में से 8 विधानसभा सीट पर बढ़त बनाई है। कम मतदान के बावजूद, राज्य की 5 लोकसभा सीटों पर इस बार हमे मिली जीत का अंतर 2019 के मुकाबले लगभग बराबर है। इस बार विपक्ष से हमे कुल 11,68,697 मत अधिक मिले हैं, जबकि पिछली बार भी हमे लगभग उतने ही 12,69,770 मत अधिक हासिल हुए थे।

स्कूटी सवार बदमाशों ने लूटी महिला की चेन

संवाददाता

देहरादून। स्कूटी सवार बदमाशों ने महिला के गले से चेन लूट ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बांगाखाता अपर तुनवाला निवासी श्रीमती पुष्पा रानी ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह घर के पास ही टहल रही थी तभी एक स्कूटी में सवार दो लोग वहां पर आये और उसके गले से चेन लूटकर भाग गये। उसने शोर भी मचाया लेकिन तब तक वह आंखों से ओझल हो गये थे।

मकान की खिडकी तोडकर जेवरात व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान की खिडकी तोडकर वहां से जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चन्द्रबनी चोइला निवासी नितिन शर्मा ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था। आज जब वह घर वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान में सारा सामान अस्त व्यस्त पडा था तथा अन्दर रखी अलमारी का ताला टूटा हुआ था तथा वहां से जेवरात व दस हजार रूपये नगद गायब थे। उसने देखा कि मकान की खिडकी टूटी हुई थी। चोरों ने मकान की खिडकी तोडकर अन्दर प्रवेश किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ऑफलाइन पंजीकरण में धोखाधड़ी, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

देहरादून। चारधाम यात्रा प्रबंधन एवं नियंत्रण संगठन के वॉलेंटियर सहित चार युवक ऑफलाइन पंजीकरण के नाम पर श्रद्धालुओं से रकम लेने की शिकायत पर पकड़ लिए गए हैं। पुलिस ने चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हे हिरासत में लेकर पूछताछ की और फिलहाल 41 सीआरपीसी का नोटिस देकर जमानत पर छोड़ दिया है।

कोतवाली प्रभारी शंकर सिंह बिष्ट ने बताया कि चारधाम यात्रा प्रबंधन एवं नियंत्रण संगठन के अधिकारी अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने पुलिस को एक तहरीर दी। पुलिस को बताया कि ऑफलाइन पंजीकरण के नाम पर श्रद्धालुओं से कुछ युवक रकम लेने का काम कर रहे हैं। जबकि सरकार ने ऑफलाइन पंजीकरण बिल्कुल निरूशुल्क रखा हुआ है। किसी श्रद्धालु ने वीडियो भी बनाकर उपलब्ध कराई है। बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच में पता चला कि एक युवक यात्रा प्रबंधन एवं नियंत्रण संगठन में स्वयंसेवक है। बाकी तीन युवक उसके साथी हैं। ये लोग टूरिस्ट केयर उत्तराखंड एप पर इंडिविजुअल आईडी से एडवांस में ऑफलाइन पंजीकरण का स्लॉट बुक करके अपने पास रख लेते हैं। रेलवे स्टेशन, बस अड्डे में जिन श्रद्धालुओं का पंजीकरण नहीं होता, उनसे पैसे लेकर स्लॉट बेच देते हैं। आरोपियों की पहचान कौशिक विश्वास निवासी गुमानीवाला, अमन गुसाई, सचिन जुगलान और मुकेश पांडे निवासी बीस बीघा ऋषिकेश के रूप में हुई है। जिन्हे पूछताछ के बाद 41 सीआरपीसी का नोटिस देकर जमानत पर छोड़ दिया है।

आंगनवाडी केन्द्र से गैस व चूल्हा चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने आंगनवाडी केन्द्र से गैस सिलेण्डर व चूल्हा चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुंजा ग्रांट निवासी अंजना पाल ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने घर में ही आंगनवाडी केन्द्र खोला हुआ है। आज जब वह वहां पर पहुंची तो उसने देखा कि आंगनवाडी केन्द्र से गैस का सिलेण्डर व चूल्हा गायब था।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।